>

Title: Need to include Gorkhas in the Scheduled Tribes and recognize them as the original inhabitants.

श्रीराजूबिष्ट **(दार्जिलिंग):**माननीयअध्यक्षजी, आजमैंआपकेमाध्यमसेसदनकेसामनेडेढ़करोड़गोरखाओंकीसमस्यारखनाचाहताहूं । हालहीमेंअसममेंएनआरसीकेप्रॉसेसकेदौरानगोरखाओंकीअनेकसंस्थाओंऔरव्यक्तियोंकेनामछूटेहैं, इसकेकारणइनकोबहुतसमस्याओंकासामनाकरनापड़ा ।गोरखाओंनेहमारेराष्ट्रनिर्माणमेंमहानयोगदानदियाहै । इसकेबावजूदअसमकीएनआरसीप्रोसेसकेदौरानअनेकपरिवारजिनकेसंबंधस्वतंत्रतासेनानियों, साहित्यकारोंऔरसैनिकोंसेथे, उनकेभीनामछूटगएहैं ।हमारेराष्ट्रकेप्रतिगोरखाओंकायोगदानअतुलनीयहै । उनपरअसमएनआरसीजैसीगलतप्रक्रियानहींडालीजानीचाहिएथी । मेरेक्षेत्रवासियोंकेदिलमेंबसनेवालेप्रधानमंत्रीआदरणीयनरेन्द्रमोदीजीनेकईबारगोरखाओंकीवीरताऔरदेशभक्तिकाअपनेभाषण ।देशकीरक्षाकेलिएउनकेत्यागऔरबलिदानसेयहसदनभलीभांतिपरिचितहै । असमकेइसएनआरसीप्रोसेसनेकईमहानगोरखाफ्रीडमफाइटरकेबलिदानोंपरप्रश्नचिह्नलगादियाहै । जैसेअसमकेछबिलालउपाध्याय, दार्जिलिंगकेपुष्पाकुमारघिसिंग, सिक्किमकेहेलेनलेपचा, कलिम्पोंगकेदलबहादुरगिरी, मणिपुरकेसुबेदारनिरंजनछेत्री, हिमाचलकेकैप्टनरामसिंहठकुरी, उत्तराखंडकेमेजरदुर्गामल्लजी, जिनकीप्रतिमापार्लियामेंटकॉम्पलेक्समेंस्थापितहै, मेरेक्षेत्रदार्जिलिंगकेश्रीडम्बरसिंहगुरुंगऔरश्रीअरीबहादुरगुरुंगजी, जोकांस्टिट्यूएंटअसेम्बलीकेमेम्बरथे, जिन्होंनेहमारेदेशकेसंविधानकीरचनामेंबड़ायोगदानदियाथा ।अत: आपकेमाध्यमसेमेरासरकारसेअनुरोधहैकिदेशभक्तगोरखाओंकोएसटीकादर्जाप्रदानकियाजाए, उनकोसंरक्षणदियाजाएतथाउन्हेंओरिजिनलइनहैबिटैंट्सकेरूपमेंमान्यताप्रदानकीजाए ।

माननीयअध्यक्ष : श्रीकुलदीपरायशर्माकोश्रीराजूबिष्टद्वाराउठाएगएविषयकेसाथसंबद्धकरनेकीअनुमतिप्रदानकीजातीहै ।